Regarding verification of notification granting scheduled caste status to 17 most backward castes in Uttar Pradesh

श्री रमाशंकर विद्यार्थी राजभर **(सलेमपुर) :** महोदया, कहार, कश्यप, केवट, मल्लाह, निषाद, कुम्हार, प्रजापति, धीवर, बिंद, भर, मांझी, मछुआ, राजभर, धीमर, बाथम, तुरहा, गौड़िया, इन 17 अतिपिछड़ी जातियों को उत्तर प्रदेश की कैबिनेट ने वर्ष 2019 के चुनाव के पहले एक विज्ञापन दिया, वही विज्ञापन मैं आपको पढ़कर सुना रहा हूं, इसमें कुछ सत्यता है कि नहीं है? मोदी-योगी की सरकार में 17 अतिपिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल करने का आदेश जारी किया । सभी जिलाधिकारियों को इन जातियों के परिवारों को प्रमाण दिए जाने का आदेश जारी । जो कहा सो किया । सबका साथ-सबका विकास ।

माननीय प्रधानमंत्री जी, माननीय योगी जी और माननीय स्वतंत्र देशसिंह । यह पूर्वांचल में बसने वाली उत्तर प्रदेश की 17 जातियां हैं, जो अब दाने-दाने को मोहताज हैं । या तो सरकार ऐसे फर्जी विज्ञापनों पर कार्रवाई करे और अगर विज्ञापन फर्जी नहीं हैं, अगर यह बात सत्य है (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्यगण, जो सदस्य आज बोलने से वंचित रह गए हैं उनको कल बोलने का मौका दिया जाएगा ।